श्री उपसभापति: इस सवाल पर कोई और सप्लीमेंटरी नहीं है, इसलिए अब अगले सवाल पर आते हैं। सवाल नम्बर 83, श्री राम नाथ ठाकुर जी।

रेलवे सुरक्षा बल में महिला सिपाहियों की भर्ती

*83. **श्री राम नाथ ठाकुर**: क्या **रेल** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या रेलवे सुरक्षा बल में महिला सिपाहियों की पर्याप्त संख्या है;

(ख) क्या पर्याप्त सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए चलती गाड़ियों में रक्षक दल के रूप में इन महिला सिपाहियों की तैनाती की जाती है;

(ग) क्या यह सच है कि महिला यात्रियों की समुचित रूप से सुरक्षा और संरक्षा करने हेतु पर्याप्त संख्या में महिला सिपाही उपलब्ध नहीं हैं; और

(घ) यदि हां, तो क्या सरकार महिला यात्रियों के लिए न्याय संगत और समुचित सुरक्षा और संरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त संख्या में महिला सिपाहियों की भर्ती करने का विचार रखती है?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अंगादि सुरेश चन्नाबासप्पा): (क) से (घ): एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

विवरण

(क) जी हां।

(ख) जी हां। वे भी चलती गाड़ियों का मार्गरक्षण करती हैं।

(ग) जी नहीं। महिला कांस्टेबल की पर्याप्त संख्या (1769) उपलब्ध है। बहरहाल, इनकी संख्या और बढ़ाने के लिए वर्ष 2018 में जो भर्ती शुरू की गई थी, उसमें कांस्टेबलों और उप-निरीक्षकों के लिए अधिसूचित 8619 और 1120 रिक्तियों में से क्रमश: 4216 और 301 रिक्तियां महिलाओं के लिए आरक्षित की गई थीं। यह प्रक्रिया शीघ्र पूरी होने वाली है और इसके पूरा होने से रेल सुरक्षा बल में महिला कांस्टेबलों और अधिकारियों की संख्या में और बढ़ोत्तरी होगी।

(घ) जी हां।

Recruitment of lady constables in RPF

†*83. SHRI RAM NATH THAKUR: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether there are adequate number of lady constables in the Railway Protection Force (RPF);

---

†Original notice of the question was received in Hindi.

(b) whether these lady constables escort during the running of trains to ensure adequate security;

(c) whether it is a fact that adequate number of lady constables are not available for proper safety and security of female passenger; and

(d) if so, whether Government propose to recruit adequate number of lady constables in RPF to ensure just and proper safety and security of female passengers?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI ANGADI SURESH CHANNABASAPPA): (a) to (d) A Statement is laid on the Table of the House.

(a) Yes, Sir.

(b) Yes, Sir. They also escort running trains.

(c) No, Sir. Adequate number (1769) of lady constables are available. However, to increase this number further, in the recruitment which started in the year 2018, out of 8619 and 1120 vacancies notified for Constables and Sub-Inspectors-respectively, 4216 and 301 vacancies were respectively reserved for women. This process likely to be completed soon and this will further increase the number of lady constables and officers in Railway Protection Force.

Statement

(d) Yes, Sir.

श्री राम नाथ ठाकुर: उपसभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि आरपीएफ में कितने प्रतिशत महिला सुरक्षा बल है?

SHRI ANGADI SURESH CHANNABASAPPA: Sir, I have already stated in reply to the first question that the priority of our Government under the leadership of hon. Prime Minister, Shri Narendra Modi, is safety.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: It is a specific question. Please reply to that.

SHRI ANGADI SURESH CHANNABASAPPA: Sir, adequate lady constables have been recruited by our Government. Already, adequate lady constables are there. Out of about 9000 vacancies, which are under the process, appointment of about 4,500 is going on. In this respect, the priority is for the safety. The Government is doing that.

श्री राम नाथ ठाकुर: महोदय, यह मेरे सवाल का जवाब नहीं है। मैंने बड़ा साफ प्रश्न पूछा है कि कितने प्रतिशत महिलाएं हैं?

रेल मंत्री (श्री पीयूष गोयल): माननीय उपसभापति जी, आज तक पूरे रेलवे में जो महिला कॉस्टेबल्स हैं, वह सवा दो प्रतिशत के करीब हैं। पूरी रेल व्यवस्था में जितने भी लोग हैं, उनके हिसाब से यह कम है। इसको मद्देनज़र रखते हुए माननीय प्रधान मंत्री जी ने हमें आदेश दिया है कि अब जो लगभग 9,000 लोग हम recruit कर रहे हैं, उसमें हम lady constables के लिए पद रखें और focussed efforts

करें कि ज्यादा संख्या में lady constables आएं। माननीय सांसद जी को यह सुनकर खुशी होगी कि जो लगभग 9,000 पद और Constables or Sub inspectors के आ रहे हैं, उनमें से साढ़े चार हजार पर, लगभग 50 प्रतिशत पदों पर महिलाओं को लिया जाएगा। यह इस सरकार ने निर्णय लिया है।

श्री राम नाथ ठाकुर: उपसभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी को बताना चाहता हूं कि केन्द्र सरकार ने सुरक्षा बलों में 33 प्रतिशत आरक्षण और बिहार सरकार ने सभी सेवाओं में महिलाओं को 35 प्रतिशत आरक्षण दिया है। इसलिए मैं माननीय मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि पदों का बैकलॉग कब तक पूरा किया जाएगा?

श्री पीयूष गोयल: उपसभापति महोदय, रिजर्वेशन के संबंध ऐसा कोई निर्णय केन्द्र सरकार के लेवल पर नहीं हुआ है, इसलिए बैकलॉग का सवाल ही नहीं उठता है। फिर भी, जैसा कि मैंने बताया है कि हम इसके लिए कोशिश कर रहे हैं और महिलाओं का प्रतिशत इसमें आठ प्रतिशत हो जाएगा यानी करीब चार गुना हो जाएगा। हम आगे चलकर कोशिश करेंगे कि जो रिक्वायरमेंट है, उस रिक्वायरमेंट को हम जरूर पूरा करें।

मैं यह भी बताना चाहता हूं कि लॉ एंड ऑर्डर स्टेट सब्जेक्ट है। जो आर.पी.एफ. का काम है, वह रेल का जो इन्फ्रास्ट्रक्चर है, ट्रेन्स वगैरह हैं, स्टेशन्स हैं, उनको सम्भालने का है। जहां तक लॉ एंड ऑर्डर का सवाल है, उसके लिए जी.आर.पी. होती है और वह स्टेट गवर्नमेंट के अंडर होती है तथा वह लॉ एंड ऑर्डर को मैंटेन करती है। फिर भी, हमने आर.पी.एफ. को भी उस काम के लिए जी.आर.पी. के साथ बड़े रूप में जोड़ा है और गत दो वर्षों में हमने बहुत बड़े पैमाने पर महिला सुरक्षा और चाइल्ड रेस्क्यू करने के काम में उसको लगाया है। जिन बच्चों को गुमराह किया जाता है, जो लोग बच्चों को उठा कर ले जाते हैं, उनको वापस लाने के काम में, हमने बहुत बड़ी मात्रा में पिछले दो वर्षों में सुधार किया है।

श्रीमती छाया वर्मा: उपसभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से जानना चाहती हूं कि कितनी ट्रेनों के महिला डिब्बों में पैनिक बटन लगा है और जिनमें नहीं लगा है, उनमें पैनिक बटन लगाने की व्यवस्था कब तक हो जाएगी?

SHRI ANGADI SURESH CHANNABASAPPA: Sir, the supplementary is not related to the present question. The details can be sent to the hon. Members.

SHRIMATI VIJILA SATHYANANTH: Mr. Deputy-Chairman, Sir, actually, I came across an incident, when I was travelling in a train. I was travelling from Tirunelveli to Chennai. On the way, I felt somewhat restless in my health; I felt a lot of pressure in my head and suddenly became unwell. I called the Helpline number just when I was approaching to Trichy Junction. When I called the Helpline, they said, "The next junction is Trichy Junction; you wait, and the doctors will attend to you" . When the doctors attended to me, I had BP of 195. Immediately, two lady constables, who had also boarded in that train, came to attend to me. They were asking me to get down from the train but were not able to stop the train because the train started from the Trichy Junction and it was moving fast. They were not able to stop the train because they did not have any walky-talky to connect with the driver. Also the train went to the next station, Ponmalai. There somehow they stopped the train

but there was no ambulance available, there was no wheelchair available and due to that they were not able to arrange a transport immediately for shifting me to hospital. So, I personally felt that, being an MP, even though the lady constables attended on me but they were not able to quickly rescue me.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Now, please put your question. The time will be over.

SHRIMATI VIJILA SATHYANANTH: I would like to know, through you, from the hon. Minister whether all the adequate, necessary medical aid would be made available in all the trains as well as in all the stations, and people are to be attended. Thank you.

SHRI ANGADI SURESH CHANNABASAPPA: We will examine this thing. This question is related to health. I appreciate that my RPF police have given immediate attention. But they were not having walky-talky. I will examine this thing and, if necessary, next time this arrangement will also be made to the police.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I think the Minister has replied.

SHRI PIYUSH GOYAL: Sir, I will just add one point. I wish hon. Member a good health and I wish that she always remains very healthy. But, obviously, you all will appreciate that there are 12,000 trains running in the Railways every day. We can' t have medical facility in every train. Every staff member cannot go to...

श्री उपसभापति: माननीय मंत्री जी, अब समय खत्म हो चुका है। कृपया अपना उत्तर शीघ्र पूर्ण कीजिए।

SHRI PIYUSH GOYAL: But we will ensure that, in future, it is taken care of.

WRITTEN ANSWERS TO STARRED QUESTIONS

Households registered under MGNREGA

*84. DR. SANTANU SEN: Will the Minister of RURAL DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) the number of households registered under the Mahatma Gandhi National Rural Employment Guarantee Act (MGNREGA)who were able to get work for 100 days, the State-wise details of the last three years;

(b) whether it is a fact that the average MGNREGA wages have decreased and the details of wages given in the past five years; and